विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मध्य प्रदेश में केन्द्रीय सरकार की सहायता से शुरू की गई परियोजनाओं का ब्यौरा

क्रम सं.	स्कीम/परियोजना का नाम	मुख्य उद्देश्य	भारत सरकार द्वारा निधियन की मात्रा	स्थिति	पिछले तीन वर्षों 1993-94, 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान उपलब्धि	
					वित्तीय	भौतिक
1.	भोज नमभूमि का संरक्षण एवं प्रबंध	नमभूमि के संरक्षण के लिए उपयुक्त नीतियां बनाना	100%	जारी	115.23	लक्ष्य वित्तीय घटकों के रूप में निर्धारित
2.	पर्यावरण वाहिनी स्कीम	जनता की सक्रिय भागीदारी से पर्यावरणीय जागरूकता पैदा करना	100%	जारी	22.42	45 जिलों में गठित
3.	राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना	खान, क्षिप्रा, ताप्ती, बेतवा, नर्मदा, वेनगंगा तथा चम्बल नदियों का प्रदूषण उपशमन	50%	खान, क्षिप्रा, ताप्ती, बेतवा, नर्मदा, वेनगंगा तथा चम्बल नदियों को राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना में शामिल किया गया है। अब तक 337.40 लाख रुपए की राशि रिलीज की गई है।		
4.	औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण परियोजना-विश्व बैंक की सहायता प्राप्त	मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सुदृढ़ करना।	100%	विश्व बैंक परियोजना के दूसरे चरण के तहत मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड उन चार राज्य बोर्डों में से एक है जिन्हें प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से सुदृढ़ बनाया जा रहा है। कोई राज्य विशिष्ट आवंटन नहीं किया गया। विश्व बैंक-2 परियोजना की कुल लागत 330 मिलियन अमरीकी डालर है।		

Steps to check Prices of Pulses

2219. SHRI RAJ NATH SINGH:
SHRIMATI MALTI SHARMA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the reasons for continuous increase in the prices of pulses and the efforts made under the National Pulses Development Programme for development of pulses; and

(b) the details of efforts made and measures taken to check the prices of pulses?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI CHATURANAN MISHRA): (a) and (b) The main reason for the high prices of pulses is the gap in domestic production and demand. To bridge the gap, efforts are being made to increase production of pulses. Through ongoing National Pulses Development Project (NPDP) incentives are being provided to the farmers for the use of inputs like certified seeds, micro nutrients, Rihzobium culture, improved farm implements, sprinkler irrigation sets, etc. In addition to these, field demonstrations and farmers trainings are also being organised for the effective transfer of improved pulse production technology.

Apart from taking measures to increase the deomestic production of pulses, the Government has put the pulses under OGL to augment the supply and make these available to common man at reasonable prices. Efforts are also being made to supply through the retail outlets of cooperative stores, Kendriya Bhandars and the State Civil Supplies Corporations.

Central Schemes for Livestock Development

2220. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING be pleased to state:

(a) the present Centrally-sponsored schemes for livestock development;